

यमुना कनारे बनेंगे हाइब्रडि एन्यूटी मोड पर आधारति सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यमुना नदी में गरि रहे बड़े नालों के कारण बढ़ते प्रदूषण से नपिटने के लयि उत्तर प्रदेश सरकार ने हाइब्रडि एन्यूटी मोड पर आधारति सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के नरिमाण को मंजूरी दी है ।

प्रमुख बदि

- 583 करोड रुपए की लागत से यमुना नदी के कनारे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे, जो यमुना में गरि रहे 6 एमएलडी सीवर का ट्रीटमेंट (शोधन) करेंगे ।
- इस संबंध में दल्लि में एनएमसीजी उत्तर प्रदेश जल नगिम और वशि्वराज एनवायरमेंट प्राइवेट लमिटेड के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) साइन कयिा गया है । करार पर जलनगिम के अधीक्षण अभयिता राजकुमार शर्मा, वशि्वराज एनवायरमेंट के सत्यजीत राउत और एनएमसीजी प्रोजेक्ट डायरेक्टर वनोद कुमार ने हस्ताक्षर कयिे ।
- गौरतलब है क यमुना में नाले के पानी के कारण उपजे दलदल से आगरा में ताज़महल पर गोलडी काइरोनोमस कीडों का हमला हो रहा है । बीते चार साल से ताज़महल पर कीडों का हमला बढ़ा है । सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के स्वतः संज्ञान लेने के बाद भी यमुना नदी में सीवर गरिना बंद नहीं हुआ है ।
- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन (एनएमसीजी) के महानदिशक जी. अशोक कुमार ने बताया कनि ए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के नरिमाण से यमुना में बनिा ट्रीटमेंट के सीवर का गरिना बंद हो जाएगा ।
- मुखयमंतरी योगी आदतियनाथ ने सीवर समस्याओं के समाधान के लयि तीन नए एसटीपी के नरिमाण के साथ इंटरसेप्शन, डायवरजन स्ट्रक्चर, आईएंडडी नेटवरक बछिाने, 15 साल के लयि ऑपरेशन एंड मेंटीनेंस को भी शामिल कयिा ।